आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 142 | उज्जैन, रविवार 14 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

हर संभव प्रयास कर मतदान प्रतिशत बढ़ायें - श्री राजन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सागर संभाग के जिलों में निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन एक राष्ट्रीय कार्य है और इसमें हर मतदाता की भागीदारी होनी चाहिए। हर संभव प्रयास कर मतदाताओं तक अपनी पहुँच बढ़ायें। इसके लिये मतदाता जागरुकता (स्वीप) गतिविधियों को रोचक व उद्देश्यपूर्ण बनाकर मतदान प्रतिशत बढ़ायें। सभी अधिकारी पूरी क्षमता और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने शनिवार को कमिश्नर कार्यालय भोपाल के सभाकक्ष में द्वितीय सत्र में सागर संभाग के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों की बैठक में उक्त निर्देश दिये।

श्री राजन ने कहा कि सभी अधिकारी पूरी तरह सजग और सतर्क रहकर निर्वाचन कार्य संपादित करें। किसी भी प्रकार की कठिनाई में स्वयं उनसे या अन्य वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारियों से मार्गदर्शन लें तथा बेहतर तरीके से निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करायें।

बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री विवेक श्रोत्रिय, पुलिस महानिरीक्षक (कानून व्यवस्था) एवं राज्य पुलिस नोडल अधिकारी श्री अंशुमान सिंह, अपर आयुक्त सागर संभाग श्री पवन जैन, पुलिस महानिरीक्षक सागर रेन्ज सहित संभाग में शामिल लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-5 सागर, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-6 टीकमगढ़ (अजा), लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-7 दमोह एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्र.-8 खजुराहो के रिटर्निंग अधिकारी तथा पन्ना व निवाड़ी के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्री राजन ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि मतदान दलों के साथ-साथ सेक्टर अधिकारियों को भी ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट मशीनों को संचालित करने की हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग दी जाये। गर्मी को देखते हुए सभी मतदान केन्द्रों में छाया, पानी, दवा, ओआरएस पैकेट की उपलब्धता सुनिश्चित करें। सेक्टर ऑफिसर के साथ पैरा मेडिकल स्टाफ भी रहें, ताकि किसी को भी उपचार की जरूरत होने पर उसे तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। श्री राजन ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निगरानी दलों (एन्फोर्समेन्ट एजेंसियों) को और अधिक मुस्तैद करने तथा आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन के मामलों पर विधि अनुरूप कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आपराधिक तथा चुनाव को प्रभावित कर सकने वाले तत्वों की पहचान कर उनपर सख्त कार्रवाई करें और मीडिया के जरिये ऐसी कार्रवाई के बारे में जनसामान्य को भी बतायें। राज्य में और अंतर्राज्यीय नाकों के जरिये चौकसी बढ़ाये।

हर दसवें मरीज को लिखी गई दवा की पर्ची में पाई गई गंभीर खामियां, लोगों के स्वास्थ्य से हो रहा खिलवाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसे अस्पतालों में मरीजों की भीड़ का असर कह लें या इलाज में मरीजों की सुरक्षा से खिलवाड़, लेकिन एक बात सच है कि मरीजों की पर्ची लिखने में लापरवाही बरती जाती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) की पहल पर 13 अस्पतालों में किए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ओपीडी में इलाज के लिए पहुंचने वाले 44.87 प्रतिशत मरीजों की पर्ची लिखने में दिशा निर्देशों का पालन नहीं किया जाता या फिर वह आधी अधूरी होती हैं।

दिल्ली के नामी अस्पतालों में हुआ शोध- हर दसवें मरीज को लिखी गई दवा की पर्ची में गंभीर खामियां होती हैं। इससे मरीजों को गंभीर दुष्प्रभाव तक झेलना पड़ता है। हाल ही में यह अध्ययन इंडियन जर्नल आफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। एम्स दिल्ली, सफदरजंग, एम्स भोपाल, केईएम मुंबई, पीजीआइ चंडीगढ़, इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान पटना सहित 13 अस्पतालों के फार्माकोलाजी विभाग के डाक्टरों ने मिलकर अध्ययन किया है।

4,838 मरीजों की पर्चियां एकत्रित कर अध्ययन किया गया- अगस्त 2019 से अगस्त 2020 के बीच सरकारी व निजी क्षेत्र के उन अस्पतालों के कम्युनिटी मेडिसिन, जनरल मेडिसिन, सर्जरी, पीडियाट्रिक, गायनी, त्वचा रोग व नेत्र विज्ञान विभाग की ओपीडी में इलाज कराने वाले 4,838 मरीजों की पर्चियां एकत्रित कर अध्ययन किया गया।

रामेश्वरम कैफे विस्फोट के आरोपियों का नया वीडियो आया सामने, सीसीटीवी फुटेज में रूम बुक करते दिखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में एनआईए को बीते दिन बड़ी सफलता मिली। जांच एजेंसी ने दो मुख्य आरोपियों को बंगाल से गिरफ्तार किया। आरोपियों में मुसाविर हुसैन शाजिब इस ब्लास्ट का मास्टरमाइंड है और वहीं, अदबुल मथीन अहमद ताहा इस विस्फोट कांड को अंजाम देने वाला शख्स है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब दोनों का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इस वीडियो में दोनों कोलकाता के एकबालपुर में एक निजी होटल में कमरा बुक करते देखे जा रहे हैं। शाजिब और ताहा पहचान छिपाकर 25 मार्च को यहां गए थे और तीन दिनों तक वहीं रहे थे।

बंगाल में एक माह से जमा रखा था अड्डा- अधिकारियों के अनुसार, दोनों संदिग्ध आइएसआइएस आतंकी एक माह से बंगाल में रह रहे थे। दोनों 12 मार्च को दार्जिलिंग होते हुए पर्यटक के तौर पर कोलकाता पहुंचे। महानगर के होटलों के साथ राज्य में अन्य जगहों पर पहचान बदलकर रह रहे थे। इन्होंने फर्जी आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य पहचान पत्र बना रखा था।

पूर्व डीएमके नेता ने ड्रग की काली कमाई फिल्मों और रियल एस्टेट में लगाई, ED ने आरोप में बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को बर्खास्त किए गए पूर्व डीएमके नेता जाफर सादिक को लेकर बड़ा खुलासा किया। ईडी ने आरोप लगाया है कि सादिक ने ड्रग्स की तस्करी से कमाए 40 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई फिल्म निर्माण, आतिथ्य और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में लगाई।

प्रवर्तन निदेशालय ने 9 अप्रैल को चेन्नई, मदुरै और तिरुचिरापल्ली में इस मामले में छापेमारी की थी, जिसके बाद एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान जारी करके ये दावे किए हैं।

पिछले महीने एनसीबी ने किया था गिरफ्तार- बता दें कि 36 वर्षीय जाफर सादिक को पिछले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत वाली लगभग 3,500 किलोग्राम ड्रग्स की तस्करी में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया था।

तस्करी में नाम आने पर डीएमके ने किया पार्टी से बाहर- ड्रग्स नेटवर्क में तस्करी में नाम आने और एनसीबी द्वारा गिरफ्तारी के बाद सत्तारूढ़ डीएमके ने सादिक को पार्टी से बाहर निकाल दिया था। ईडी ने सादिक से जुड़े दो हजार करोड़ से अधिक के अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी रैकेट की जांच के लिए मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था।

मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले सिंडिकेट का मास्टरमाइंड- ईडी ने बताया है कि सादिक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले सिंडिकेट का मास्टरमाइंड है, जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में स्वास्थ्य-मिश्रण पाउडर और सूखे नारियल के रूप में ड्रग्स की तस्करी करता था।

सऊदी की जेल में बंद था केरल का शख्स, कोर्ट ने रखी ये शर्त तो लोगों ने जुटाए 34 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के लोगों ने राज्य के व्यक्ति को सऊदी अरब से रिहा कराने के लिए एकजुटता दिखाई है। सऊदी अरब में हत्या की सजा पाए कोझिकोड निवासी अब्दुल रहीम को बचाने के लिए क्राउडफंडिंग के माध्यम से 34 करोड़ रुपये जुटा लिए गए हैं। साल 2006 से सऊदी अरब की जेल में बंद रहीम को 2018 में हत्या के लिए दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि गत अक्टूबर में सऊदी अरब की कोर्ट ने ब्लड मनी के रूप में पीड़ित के परिवार को 34 करोड़ रुपये देने पर रहीम को रिहा किए जाने का आदेश दिया है। ब्लड मनी का भुगतान करने की अंतिम तिथि 18 अप्रैल है। पैसा कमाने की चाहत में सऊदी अरब गया रहीम

ऑटो चालक रहीम 2006 में अधिक पैसा कमाने की चाहत में सऊदी अरब गया था। वहां उसे 15 वर्षीय दिव्यांग बालक के ड्राइवर व देखभाल कर्मी के रूप में नौकरी मिल गई। हालांकि उसी साल एक दुर्घटना के दौरान दिव्यांग बालक की मौत हो गई और रहीम को जेल में डाल दिया गया।

मां फातिमा ने सभी लोगों का आभार जताया- रहीम के लिए क्राउडफंडिंग करने वाली संस्था ने कहा कि रियाद के 75 से अधिक संगठनों, केरल के व्यवसायी बॉबी चेम्मन्नूर, राज्य के विभिन्न राजनीतिक संगठनों व आम लोगों सभी ने धन जुटाने में हमारी मदद की। 34 करोड़ एकत्रित होने पर रहीम की मां फातिमा ने सभी लोगों का आभार जताया।

मॉरीशस के साथ संशोधित कर संधि को अभी मंजूरी नहीं, आयकर विभाग ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रोटोकॉल लागू के बाद सभी चिंताओं को किया जाएगा दूर - आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि मारीशस के साथ दोहरे कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) से जुड़े संशोधित प्रोटोकॉल को अभी तक न तो मंजूरी दी गई है और न ही विभाग की ओर से अधिसूचित किया गया है। दोनों देश प्रोटोकॉल पर किए थे हस्ताक्षर डीटीएए में संशोधन के लिए भारत और मॉरीशस ने इसी वर्ष सात मार्च को एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए थे। प्रोटोकॉल में प्रिंसिपल पर्पज टेस्ट (पीपीटी) को शामिल किया गया है, जिसका उद्देश्य संधि लाभ केवल वास्तविक उद्देश्य वाले लेनदेन को देना सुनिश्चित करना है।

क्या था ऑपरेशन मेघदूत? 40 साल से हिमालय के ताज पर बैठी है भारत की सेना, दुनिया ने माना लोहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 अप्रैल 2024 यानी आज भारत सियाचिन ग्लेशियर पर अपने शानदार 40 साल पूरे कर रहा है। 1984 में ऑपरेशन मेघदूत के तहत इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र पर नियंत्रण कर, भारतीय सेना ने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया। हिमालय की काराकोरम माउंटेन रेंज में स्थित सियाचिन ग्लेशियर दुनिया का सबसे ऊंचा युद्धक्षेत्र (बैटलग्राउंड) है। समुद्र तल से 5,400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह क्षेत्र, अपनी बर्फीली चोटियों, खतरनाक मौसम और कठिन परिस्थितियों के लिए जाना जाता है। 1984 से यानी पिछले 40 साल से भारत और पाकिस्तान के बीच इस क्षेत्र पर नियंत्रण को लेकर विवाद चल रहा है। हालांकि जब से भारत की सेना यहां पहुंची है तब से देश का तिरंगा यहां शान से लहरा रहा है। इसके पीछे कई प्रमुख वजहे हैं।

अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि हेवी-लिफ्ट हेलीकॉप्टरों और लॉजिस्टिक ड्रोन को शामिल करने से सियाचिन में भारत की युद्ध क्षमता और भी बढ़ी है। इसके अलावा, सेना ने वहां सभी इलाकों में काम आने वाले वाहनों की तैनाती और पटरियों का एक व्यापक नेटवर्क बिछाया है। भारतीय सेना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सियाचिन ग्लेशियर पर अपनी उपस्थिति के 40 वर्ष का जश्न मना रही है। अधिकारियों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्र में बुनियादी ढांचे में वृद्धि के कारण सेना की परिचालन क्षमताओं में व्यापक सुधार हुआ है।

एक अधिकारी ने कहा, सियाचिन ग्लेशियर पर भारतीय सेना का नियंत्रण न केवल अद्वितीय वीरता और दृढ़ संकल्प की कहानी है, बल्कि तकनीकी प्रगति और लॉजिस्टिक सुधार की एक अविश्वसनीय यात्रा भी है। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि विशेष रूप से पिछले पांच वर्षों में की गई पहलों के चलते सियाचिन में तैनात कर्मियों की रहने की स्थिति और परिचालन क्षमताओं में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।

पिछले साल जनवरी में, सेना के कोर ऑफ इंजीनियर्स की कैप्टन शिवा चौहान को सियाचिन ग्लेशियर में एक फ्रंटलाइन पोस्ट पर तैनात किया गया था। यह किसी प्रमुख युद्धक्षेत्र में महिला सेना अधिकारी की पहली तैनाती थी। अधिकारी ने कहा कि सियाचिन में आवाजाही के पहलू में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, ट्रैक के व्यापक नेटवर्क के विकास और ऑल-टेरेन वाहनों (एटीवी) की शुरूआत से ग्लेशियर में आवाजाही में काफी सुधार हुआ है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि डीआरडीओ द्वारा विकसित एटीवी पुलों जैसे इनोवेशन ने सेना को प्राकृतिक बाधाओं पर काबू पाने में सक्षम बनाया है।

पाकिस्तान में चल रहा गोलीबारी का खेल, पहले 9 लोगों को गोलियों से भूना; चलती कार को भी बनाया निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने कम से कम 11 लोगों की हत्या कर दी। इस लोगों में नौ लोग पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से ताल्लुक रखते थे। इस बारे में प्राधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने क्वेटा से ताफ्तान जा रही एक बस को एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर रोका था और बंदूक का डर दिखाकर नौ पुरुषों का अपहरण किया तथा बाद में उनकी हत्या कर दी।

अधिकारियों ने बताया, बाद में इन नौ पुरुषों के शव नजदीकी पर्वतीय इलाके में एक पुल के समीप मिले और उनके शरीर पर गोलियों के निशान पाए गए।÷ उन्होंने बताया, ÷यह बस क्वेटा से ताफ्तान जा रही थी तभी सशस्त्र हमलावरों ने बस रुकवाई और यात्रियों की पहचान करने के बाद नौ पुरुषों को अगवा करके पर्वतीय इलाकों में ले गए।

घटना में मारे गए लोग पंजाब प्रांत में वजीराबाद, मंडी बहुद्दीन और गुजरांवाला के रहने वाले थे। एक अन्य घटना में इसी राजमार्ग पर एक कार पर गोलीबारी की गयी जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गयी तथा दो अन्य घायल हो गए। इन हमलों की निंदा करते हुए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्राधिकारियों से घटना की एक रिपोर्ट मांगी है। पाकिस्तानी पीएम ने लोगों की मौत पर शोक भी जताया और कहा कि आतंकवादियों को सजा दिलायी जाएगी। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कहा कि नोश्की राजमार्ग पर 11 लोगों की हत्या में शामिल आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के चार लोगों को 122 साल की सजा, क्या था वो जघन्य अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक व्यक्ति की हत्या के मामले में ब्रिटिश कोर्ट ने चार भारतीय मूल के पुरुषों को 122 साल की कैद की सजा सुनाई है। इन लोगों को भारतीय मूल के ही एक 23 वर्षीय डिलीवरी ड्राइवर की हत्या का दोषी पाया गया था। पिछले साल अगस्त में स्थानीय वेस्ट मर्सिया पुलिस को पश्चिमी इंग्लैंड के श्रुस्बरी में हमले की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को ऑरमान सिंह नाम का व्यक्ति घटनास्थल पर मृत मिला था। पुलिस ने हत्या के संदेह में चार लोगों को

गिरफ्तार किया।

बाद में 24 वर्षीय अर्शदीप सिंह, 23 वर्षीय जगदीप सिंह, 27 वर्षीय शिवदीप सिंह और 24 वर्षीय मनजोत सिंह को कुल्हाड़ी, हॉकी स्टिक और फावड़े से हत्या करने का दोषी पाया गया। उनमें से प्रत्येक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई, जिसमें कम से कम 28 साल सलाखों के पीछे रहना होगा। पांचवें भारतीय मूल के व्यक्ति, 24 वर्षीय सुखमनदीप सिंह को भी हत्या की साजिश में शामिल माना गया। उसे ऑरमान के बारे में जानकारी देने का दोषी पाया गया और उसे 10 साल की सजा सुनाई गई थी।

हत्या की जांच का नेतृत्व करने वाले वेस्ट मर्सिया पुलिस के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर (डीसीआई) मार्क बेलामी ने कहा, मुझे खुशी है कि ऑरमान सिंह की नृशंस हत्या के लिए इन लोगों को महत्वपूर्ण सजा दी गई है। ये पांच लोग खतरनाक व्यक्ति हैं जो अब जेल में पर्याप्त सजा काटेंगे जहां वे जनता को और नुकसान नहीं पहुंचा सकते।

रूस से युद्ध के बीच यूक्रेन की सरकार पर फूटा सैनिकों का गुस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन में सेना में भर्ती को लेकर नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं। अलजजीरा कि रिपोर्ट के मुताबिक सैनिकों का कहना है कि अब उन्हें तब तक सेना में सेवा देनी होगी जब तक वे अपंग ना हो जाएं या फिर उनकी जान ही ना चली जाए। दरअसल नए नियमों में सेवा की सीमा को खत्म कर दिया गया है। पहले यूक्रेन में 36 महीने की सेवा को अनिवार्य बनाया गया था। बता दें कि रूस के आक्रामक रवैये के आगे यूक्रेन में सैनिकों की कमी हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया में सिडनी के शॉपिंग मॉल में चाकूबाजी, 6 की मौत; हमलावर को पुलिस ने मारी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी से चाकूबाजी की खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यहां के एक शॉपिंग सेंटर में कई लोगों को चाकू मारा गया है। इस घटना में कुल 6 लोगों की मौत हुई है और कई घायल हैं। संदिग्ध हमलावरों की संख्या 2 बताई जा रही है। इनमें से एक को ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने गोली मारी दी। मालूम हो कि यह घटना वेस्टफील्ड बॉन्डी जंक्शन मॉल में उस वक्त हुई, जब शनिवार दोपहर यह खरीदारों से खचाखच भरा था। चाकूबाजी को लेकर शोर मचते ही मॉल में कुछ समय के लिए

अफरातफरी मच गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों ने मॉल कैंपस को पूरी तरह से खाली कर दिया है। इसके साथ ही पूरे परिसर की तलाशी ली जा रही है। यह जांच की जा रही है कि कहीं कोई विस्फोटक तो छिपाकर नहीं रखा गया है। पुलिस ने अभी तक इसके आतंकी घटना होने से इनकार नहीं किया है। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं जिनमें देखा जा सकता है कि लोग घबराए हैं। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात हैं। एम्बुलेंस और पुलिस की गाड़ियां भी नजर आ रही हैं। चाकूबाजी के चलते जिन लोगों को चोटें आई हैं, मौके पर ही उनकी शुरुआती तौर पर इलाज किया गया है। कुछ दिनों पहले अमेरिका के उत्तरी इलिनोइस में चाकू से हमले की एक घटना में 4 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 7 अन्य लोग जख्मी हुए थे।

इजरायल पर 24 घंटे के भीतर अटैक कर सकता है ईरान, अमेरिका ने भी तैनात कर दिए युद्धपोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल-ईस्ट में तनाव एक बार फिर से चरम पर है। आशंका है कि ईरान 24 घंटे के भीतर इजरायल पर हमला कर सकता है। इसे देखते हुए इजरायली सरकार भी अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। खुफिया सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई रविवार तक हो सकती है। माना जा रहा है कि तेहरान की ओर से इस अभूतपूर्व हमले से युद्ध छिड़ सकता है। दरअसल, ईरान अपनी एक इमारत पर घातक बमबारी के बाद जवाबी हमले की तैयारी में है। मगर, इसे लेकर इजरायल का दावा रहा कि वह उसके हितों के खिलाफ खतरों से जुड़ी थी।

तेहरान की ओर से बदला लेने की चेतावनी के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल को भरपूर समर्थन देने की बात कही है। रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस ने इजरायल और अमेरिकी बलों की रक्षा के लिए अतिरिक्त मिलिट्री असेट्स भेजी है। नौसेना के एक अधिकारी ने बताया, 2 नौसेना विध्वंसक जहाजों को पूर्वी भूमध्य सागर में भेजा गया है। इनमें से एक यूएसएस कार्नी है, जो लाल सागर में हूती ड्रोन और एंटी-शिप मिसाइलों के खिलाफ हवाई रक्षा कर रहा था। साथ ही, यूएस ने इस क्षेत्र में शत्रुता पर लगाम लगाने की कोशिशों को दोगुना कर दिया है। इसके लिए ईरान के मित्र देशों से भी बातचीत चल रही है।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इसे लेकर इजरायल को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान के जल्द ही हमला करने की आशंका है। मगर, उन्होंने ऐसा न करने की अपील भी की।

इतने गुस्से में क्यों है ईरान? कभी भी कर सकता है इजरायल पर हमला; भारत ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महीने की शुरुआत में दमिश्क में ईरान के दूतावास पर इजरायल ने हमला कर दिया था। इस हमले में दो ईरानी जनरलों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद ईरान गुस्से में है। उसने जवाबी हमले की धमकी दी है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में भी इस बात का दावा किया गया है कि अगले दो दिन में ईरान इजरायल पर हमला कर सकता है।

रिपोर्ट में अमेरिका के खुफिया विभाग के हवाले से ये जानकारी दी गई है। भारत, फ्रांस और रूस सहित देशों ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

इस रिपोर्ट की माने तो हमले अगले 24 से 48 घंटे के भीतर हो सकते हैं। ईरान से जुड़े सूत्रों ने बताया कि हमले की योजना पर चर्चा की जा रही है, हालांकि कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सीरिया के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हुए इजरायली हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। ईरान ने इजरायल पर हमले की चेतावनी दी है। अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट के हवाले ये कहा गया कि इजरायल की सीमाओं के भीतर ये हमला हो सकता है।

अमेरिका में नदी में उतरा एलियन का यान? वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलियन्स को लेकर दुनियाभर के लोगों में कौतूहल बना ही रहता है। वहीं समय-समय पर एलियन्स के यान यानी यूएफओ को देखने के भी दावे किए जाते रहे हैं। हालांकि अब तक ना तो कोई एलियन किसी से मिला है और ना ही कोई यान किसी के हाथ लगा है। इसी बीच एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक लाइट बीम आसमान से उतरती हुई नजर आती है जो कि नदी के पानी में समा जाती है। इसके बाद यह लाइट बीम फिर से बाहर निकलती है। कई लोगों का कहना है कि यह यूएफओ है। वहीं बहुत सारे लोगों का कहना है कि यह कोई ड्रोन था। इस मामले पर बहस ही चल रही है।

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में डेलावेयर नदी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि एक नीली रौशनी वाली कोई चीज धीरे-धीरे पानी के अंदर उतर रही है। सोशल मीडिया पर लोग इसके वीडियो पर तरह-तरह के कॉमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, यह कोई ड्रोन हो सकता है जिसपर नीली एलईडी लाइट लगी हो। एक अन्य यूजर ने कहा, पानी में लाइट का रिफ्लेक्शन देखने के बाद लगया है कि यह कोई ड्रोन है जिसपर लाइट लगी है। हो सकता है कि फिशिंग के लिए नीली लाइट वाली छड़ को पानी के अंदर डुबोया गया हो। इसपर फिशिंग लाइन भी लगी रही हो जो किसी को दिखाई ना दी हो। वहीं कई लोगों का कहना है कि यह ऑपरेशन ब्लू बीम हो सकता है।

एक यूजर ने कहा कि यह ऑपरेशन ब्लू बीम के तहत हो सकता है कि यूएफओ जैसा ऑब्जेक्ट बनाने की कोशिश की गई हो। अगर यह एलियन का यान होता तो केवल पानी पर तैरकर क्यों वापस लौट जाता। इसे कुछ और भी करना चाहिए था। इस मामले में प्रशासन की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। बता दें कि इस मामले को फिलाडेल्फिया में गंभीरता से इसलिए देखा जा रहा है क्योंकि पहले भी यहां यूएफओ देखने के दावे किए जा चुके हैं।

CJI चंद्रचूड़ ने क्यों किया AI, ChatGPT का जिक्र, बता दिया गेम चेंजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-सिंगापुर ज्यूडिशियल कॉन्फ्रेंस में दिए गए एक मुख्य भाषण में, भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कानूनी अनुसंधान और न्यायपालिका को नया आकार देने में प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जबकि इसके एकीकरण में नैतिक विचारों की अनिवार्यता पर जोर दिया। चंद्रचूड़ ने अपने संबोधन की शुरुआत प्रौद्योगिकी पर सम्मेलन के क्रांतिकारी फोकस और प्रौद्योगिकी और न्यायपालिका पर महत्वपूर्ण संवादों को उत्प्रेरित करने की इसकी क्षमता की सराहना करते हुए की। उन्होंने विविध कानूनी प्रणालियों के बीच अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सीख को बढ़ावा देने में न्यायिक संवादों के गहरे प्रभाव को स्वीकार किया। इस दौरान, सीजेआई ने चैटजीपीटी और एआई का भी जिक्र किया और लीगल रिसर्च में एआई को गेम चेंजर बताया।

भारत और सिंगापुर के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डालते हुए, चंद्रचूड़ ने कानून के शासन को बनाए रखने और न्याय तक पहुंच को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के लिए दोनों देशों की सराहना की। सीजेआई ने आगे कहा, ÷न्यायिक संवाद वास्तव में विभिन्न कानूनी प्रणालियों के बीच अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी सीख को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत और सिंगापुर न केवल गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध साझा करते हैं, बल्कि कानून के शासन को बनाए रखने और पहुंच को बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्धता रखते हैं।÷ दो गतिशील और तेजी से विकसित हो रहे राष्ट्रों के रूप में, भारत और सिंगापुर दोनों अपनी संबंधित न्यायिक प्रणालियों को आधुनिक बनाने में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता को पहचानते हैं।

अब तालिबान में भी संपत्ति खरीद सकेंगे हिंदू व सिख, जल्द मिलेगा अधिकार; लेकिन भारत...

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त 2021 को जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था तब यह बात किसी ने सोची नहीं होगी कि तकरीबन ढाई वर्षों में ही तालिबान के रिश्ते भारत और पाकिस्तान के साथ इस तरह से बदल जाएंगे। पाकिस्तान और तालिबान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं जबकि भारत व तालिबान की सरकार के बीच सामंजस्य बन रहा है।

सकारात्मक कदम- एक तरफ भारत लगातार अफगानिस्तान को मानवीय आधार पर मदद दे रहा है तो दूसरी तरफ तालिबान की तरफ से यह संदेश दिया गया है कि वह अपने हिंदू और सिख नागरिकों को संपत्ति का अधिकार देने जा रहा है। भारत ने इसको सकारात्मक कदम करार दिया है। पिछले ढ़ाई वर्षों में अफगानिस्तान के तकरीबन 95 फीसद हिंदू और सिख नागरिक भारत लौट चुके हैं।

सकारात्मक प्रगति- तालिबान सरकार का उक्त कदम अफगानिस्तान वापसी का रास्ता खोल सकता है। हालांकि तालिबान सरकार को आधिकारिक तौर पर मान्यता देने को लेकर भारत की नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल से जब तालिबान की तरफ से अफगान के हिंदू व सिख नागरिकों को संपत्ति का अधिकार देने के बारे में पूछा गया।

पतंजलि के शहद का नमूना जांच में फेल, एक लाख रुपयों का लगा जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि का पैक्ड शहद का नमूना जांच में फेल होने पर ऐक्शन हुआ है। न्याय निर्णायक अधिकारी ने नमूने के जांच में फेल होने पर ऐक्शन लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब चार साल पहले उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के डीडीहाट से लिए किए पतंजलि के पैक्ड शहद का एक नमूना जांच के लिए एकत्रित किया गया था।

पतंजलि का पैक्ड शहद का नमूना जांच में फेल होने पर ऐक्शन हुआ है। न्याय निर्णायक अधिकारी ने नमूने के जांच में फेल होने पर ऐक्शन लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब चार साल पहले उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के डीडीहाट से लिए किए पतंजलि के पैक्ड शहद का एक नमूना जांच के लिए एकत्रित किया गया था।

जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी आरके शर्मा ने बताया, जुलाई 2020 में विभाग ने डीडीहाट स्थित गौरव ट्रेडिंग कंपनी से पैक्ड पतंजलि शहद का नमूना एकत्रकर जांच को रुद्रपुर स्थित लैब भेजा था। जांच में शहद में सुक्रोज की मात्रा मानकानुसार पांच फीसदी की जगह 11.1 प्रतिशत (करीब दोगुने से अधिक) पाई गई।

नवंबर 2021 में विभाग ने संबंधित विक्रेता के खिलाफ वाद दायर किया। शुक्रवार को न्याय निर्णायक अधिकारी और एडीएम डॉ. एसके बरनवाल ने फैसला सुनाया है।

आसमान में बढ़ेगी भारत की ताकत, रक्षा मंत्रालय ने 97 तेजस का दिया ऑर्डर; थर्रा उठेंगे दुश्मन देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायुसेना की क्षमताओं में इजाफा करने के लिए रक्षा मंत्रालय ने 97 हल्के लड़ाकू विमान तेजस (एलसीए एमके-1ए) के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को टेंडर जारी किया है। रक्षा मंत्रालय के इस कदम से दुश्मन देशों की परेशानियां बढ़ेंगी। इस टेंडर की लागत लगभग 67 हजार करोड़ बताई जा रही है। यह टेंडर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा की एक बैठक के चार महीने बाद जारी किया गया है। इस बैठक में वायुसेना को अधिक तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमानों की आवश्यकताओं पर जोर दिया गया था। परिषद द्वारा उठाया गया यह कदम विमानों की जरूरतों के लिए भारत के खरीद नियमों के तहत हथियार और सिस्टम खरीदने की दिशा में पहला कदम है।

बता दें इससे पहले वायुसेना ने फरवरी 2021 में 48,000 करोड़ रुपये में 83 एमके-1ए लड़ाकू विमानों का ऑर्डर दिया था। विमानों की खरीद में हालिया टेंडर इस सिलसिले में दूसरी कड़ी मानी जा रही है। इन 83 लड़ाकू विमानों में से पहली खेप को वायुसेना को 31 मार्च तक वितरित किया जाना था, लेकिन प्रमुख प्रमाणपत्रों के कारण डिलीवरी में देरी हो गई है। यहां यह बताना जरूरी है कि पहले से ऑर्डर किए गए 83 लड़ाकू विमानों की पूरी डिलीवरी 2028 तक होने की उम्मीद है।

लड़ाकू विमानों के लिए भारतीय वायुसेना की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए एचएएल ने एलसीए एमके-1ए के लिए नासिक में एक नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित की है। एचएएल बेंगलुरु में हर साल 16 एलसीए एमके-1ए का निर्माण करता है और नासिक में प्रोडक्शन लाइन स्थापित होने से एचएएल 24 जेट प्लेन का उत्पादन कर सकेगा।

आतंकियों को मारने में कोई नियम नहीं, जहां मौका पाओ मारो; जयशंकर की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि आतंकियों को अब इस गलतफहमी में नहीं रहनी चाहिए कि सीमा के उस पार होने के कारण उन्हें कोई छू नहीं सकता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में कोई नियम नहीं होते हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि 2014 के बाद से भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है और आतंकवाद से निपटने का यही तरीका है।

विदेश मंत्री से जब यह पूछा गया कि ऐसे कौन से देश हैं जिनके साथ भारत को संबंध बनाए रखना मुश्किल लगता है, तो उन्होंने बिना नाम लिए पाकिस्तान की तरफ इशारा किया। शुक्रवार शाम को पुणे में अपनी पुस्तक व्हाई भारत मैटर्स पर एक सत्र के दौरान उन्होंने कहा, आतंकवादी किसी नियम से नहीं चलते हैं। आतंकवादी को जवाब देने के लिए भी कोई नियम नहीं हो सकता है।

उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि 1947 में पाकिस्तान ने कश्मीर में कबायली आक्रमणकारियों को भेजा और सेना ने उनका मुकाबला किया और राज्य का एकीकरण हुआ। विदेश मंत्री ने कहा, ''जब भारतीय सेना अपनी कार्रवाई कर रही थी, हम ठहर गए और संयुक्त राष्ट्र चले गए। हमने आतंकवाद के बजाय कबायली आक्रमणकारियों के कृत्यों का उल्लेख किया। अगर हमारा रुख शुरू से ही स्पष्ट होता कि पाकिस्तान आतंकवाद फैला रहा है तो बिल्कुल अलग नीति होती।''

विदेश मंत्री ने दावा किया कि 1962 के युद्ध के बावजूद वर्ष 2014 तक चीन सीमा पर बुनियादी ढांचे के विकास में प्रगति नहीं हुई। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से चीन के साथ सीमा पर बुनियादी ढांचे के लिए बजट काफी बढ़ गया है।

एयर इंडिया के विमान ने ईरानी हवाई क्षेत्र से नहीं भरी उड़ान, इजरायल पर ईरान के हमले की आहट तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध की आशंका लगातार बढ़ती जा रही है। तेहरान पहले ही जवाबी हमले की चेतावनी दे चुका है। मध्य-पूर्व में इन दिनों तनाव चरम पर है। इसे देखते हुए एयर इंडिया ने अपनी उड़ानों को अलर्ट जारी किया है। एयर इंडिया ने विमानों ने आज ईरान के एयर स्पेस से होकर उड़ान नहीं भरी। रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोप जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट्स ने ईरानी हवाई क्षेत्र से बचते हुए लंबा रास्ता चुना। दरअसल, अमेरिकी और दूसरे खुफिया आकलनों में कहा गया कि ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई रविवार तक हो सकती है। इस हमले के चलते बड़े पैमाने पर युद्ध छिड़ने का खतरा है। इसे ध्यान में रखते हुए पूरी सावधानी बरती जा रही है।

इससे पहले, शुक्रवार को भारत ने अपने नागरिकों से ईरान और इजरायल की यात्रा नहीं करने को कहा था। बताया जा रहा है कि अब और भारतीयों को निर्माण क्षेत्र में काम करने के लिए इजरायल जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इससे पहले 64 भारतीय श्रमिकों का पहला जत्था इस महीने की शुरुआत में इजरायल के लिए रवाना हुआ था। भारत से 6,000 से अधिक निर्माण श्रमिकों को अप्रैल और मई में इजरायल के लिए रवाना होना था। विदेश मंत्रालय ने ईरान और इजरायल में रहने वाले भारतीयों को सलाह दी है कि अपनी सुरक्षा के बारे में अत्यधिक सतर्कता बरतें और अपनी आवाजाही कम से कम रखें। भारतीयों को सलाह दी गई कि अगले नोटिस तक ईरान या इजरायल की यात्रा नहीं करें। मालूम हो कि दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है। ईरान ने हमले के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

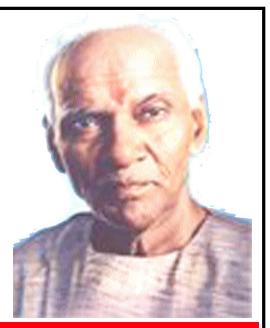

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण षष्ठमी

संपादकीय

निर्मला सीतारमण ने निजीकरण की नीति को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया...

गत माह बिज़नेस स्टैंडर्ड के एक आयोजन में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निजीकरण की नीति को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। एक फरवरी को अंतरिम बजट पेश किए जाने के बाद इस बारे में कुछ चिंताएं उत्पन्न हुई थीं क्योंकि बजट में वर्ष के लिए विनिवेश लक्ष्य को स्पष्ट रूप से सामने नहीं रखा गया था।

ऐसे में मंत्री का वक्तव्य आश्वस्त करने वाला है। महामारी के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की नई नीति आत्मनिर्भर भारत के पैकेज के हिस्से के रूप में घोषित की गई थी। यह नीति 2021-22 के केंद्रीय बजट का भी हिस्सा थी। इस नीति में सभी रणनीतिक और गैर रणनीतिक क्षेत्रों में विनिवेश की कल्पना की गई थी। सरकार सामरिक क्षेत्रों के केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (सीपीएसई) में न्यूनतम उपस्थिति बनाए रखेगी। उदाहरण के लिए परमाणु ऊर्जा, बिजली, पेट्रोलियम और वित्तीय सेवाएं आदि।

बहरहाल इसके क्रियान्वयन के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है जिसे समझा जा सकता है क्योंकि विनिवेश और निजीकरण जटिल कवायद हो सकती हैं। कुछ सीपीएसई में समय लग सकता है और इसकी कई वजह हो सकती हैं, मिसाल के लिए कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना।

संभावित जटिलता के बावजूद सरकार के लिए बेहतर यही होगा कि वह इस मार्ग पर सहजता से बढ़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार का अगला कार्यकाल बड़े निर्णयों वाला होगा और विभिन्न मंत्रालयों के बारे में कहा जा रहा है वे इस दिशा में खाका तैयार कर रहे हैं। अगली सरकार के स्वरूप से इतर कई मजबूत वजह हैं जिनकी वजह से विनिवेश में सुधार सरकार के एजेंडे में शीर्ष पर होना चाहिए।

सरकार ने महामारी के बाद आर्थिक रूप से उबरने के लिए पूंजीगत व्यय में इजाफा किया। इसने हाल के वर्षों में वृद्धि को गति दी है लेकिन सरकार के व्यय बढ़ाने के कारण राजकोषीय समेकन की प्रक्रिया धीमी हुई है। केंद्र सरकार का लक्ष्य राजकोषीय घाटे को 2025-26 तक सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 फीसदी तक लाने का है। यदि विनिवेश फंड की राशि पूंजीगत व्यय का हिस्सा हो तो इससे राजकोषीय समेकन की प्रक्रिया को तेज करने में मदद मिलेगी।

अगर सरकार की ओर से वित्तीय मदद की मांग कम होगी तो निजी क्षेत्र के लिए फंड बचेंगे। निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। बहरहाल, अगर सरकार बचत अधिशेष के अधिकांश हिस्से की खपत करती रही तो निजी पूंजीगत व्यय में सुधार खतरे में पड़ जाएगा। उस स्थिति में सरकार को पूंजी आयात पर विवश होना पड़ सकता है जो शायद इस मोड़ पर वांछित न हो। ऐसे में बड़े पैमाने पर विनिवेश न केवल सरकारी पूंजीगत व्यय को बरकरार रखने में मदद कर सकता है बल्कि यह निजी निवेश को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है जो वृद्धि के लिए आवश्यक है।

इसके अलावा शेयर बाजारों में भी तेजी का दौर है और परिदृश्य सकारात्मक नजर आ रहा है। अगर मान लिया जाए कि भारत में एक स्थिर सरकार बनती है (जिसकी पूरी संभावना है) तो और सुधार संभव है। वैश्विक मुद्रास्फीति उच्चतम स्तर पर है और वित्तीय हालात तुलनात्मक रूप से सहज हुई है। निवेशकों का अनुमान है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस वर्ष के अंत में नीतिगत दरों में कटौती आरंभ करेगा।

वैश्विक बाजार में मुद्रा की कम लागत से भारत जैसे उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों में पूंजी प्रवाह बढ़ेगा जो शेयर बाजार के मूल्यांकन को बढ़ाएगा। शेयरों की बढ़ती मांग और अनुकूल मूल्यांकन का अर्थ यह है कि सरकार को अपनी परिसंपत्तियों का बेहतर मूल्य मिलेगा। उसे इस अवसर का लाभ लेना चाहिए।

भीमराव आम्बेडकर

भीमराव रामजी आम्बेडकर, डॉ?बाबासाहब आम्बेडकर नाम से लोकप्रिय, भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों (दलितों) से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मन्त्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे।

आम्बेडकर विपुल प्रतिभा के छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थे। व्यावसायिक जीवन के आरम्भिक भाग में ये अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की तथा बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीता। इसके बाद आम्बेडकर भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रचार और चर्चाओं में शामिल हो गए और पत्रिकाओं को प्रकाशित करने, राजनीतिक अधिकारों की वकालत करने और दलितों के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की और भारत के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हिंदू पंथ में व्याप्त कुरूतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकार सन 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया था। सन 1990 में, उन्हें भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से मरणोपरांत सम्मानित किया गया था।

14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस आम्बेडकर जयंती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जाता है। डॉक्टर आम्बेडकर की विरासत में लोकप्रिय संस्कृति में कई स्मारक और चित्रण शामिल हैं। भारतीय संविधान के शिल्पकार, आधुनिक भारतीय चिंतक, समाज सुधारक एवं भारत रत्न से सम्मानित बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर का निधन 6 दिसंबर 1956 को हुआ. डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिये गए सामाजिक योगदान और उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिए हर साल 6 दिसंबर को महापरिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है।

प्रारंभिक जीवन

आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में स्थित महू नगर सैन्य छावनी में हुआ था। वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं व अंतिम संतान थे। उनका परिवार कबीर पंथ को माननेवाला मराठी मूल का था और वो वर्तमान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आंबडवे गाँव के निवासी थे । वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो तब अछूत कही जाती थी और इस कारण उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव सहन करना पड़ता था। भीमराव आम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत रहे थे और उनके पिता रामजी सकपाल, भारतीय सेना की महू छावनी में सेवारत थे तथा यहां काम करते हुये वे सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा प्राप्त की थी।

अपनी जाति के कारण बालक भीम को सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। विद्यालयी पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद छात्र भीमराव को छुआछूत के कारण अनेक प्रकार की कठनाइयों का सामना करना पड़ता था। 7 नवम्बर 1900 को रामजी सकपाल ने सातारा की गवर्न्मेण्ट हाइस्कूल में अपने बेटे भीमराव का नाम भिवा रामजी आंबडवेकर दर्ज कराया। उनके बचपन का नाम भिवा था। आम्बेडकर का मूल उपनाम सकपाल की बजाय आंबडवेकर लिखवाया था, जो कि उनके आंबडवे गाँव से संबंधित था। क्योंकी कोकण प्रांत के लोग अपना उपनाम गाँव के नाम से रखते थे, अतः आम्बेडकर के आंबडवे गाँव से आंबडवेकर उपनाम स्कूल में दर्ज करवाया गया। बाद में एक देवरुखे ब्राह्मण शिक्षक कृष्णा केशव आम्बेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे, ने उनके नाम से आंबडवेकर हटाकर अपना सरल आम्बेडकर उपनाम जोड़ दिया। तब से आज तक वे आम्बेडकर नाम से जाने जाते हैं।

रामजी सकपाल परिवार के साथ बंबई (अब मुंबई) चले आये। अप्रैल 1906 में, जब भीमराव लगभग 15 वर्ष आयु के थे, तो नौ साल की लड़की रमाबाई से उनकी शादी कराई गई थी। तब वे पाँचवी अंग्रेजी कक्षा पढ़ रहे थे। उन दिनों भारत में बाल-विवाह का प्रचलन था।

शिक्षा

आम्बेडकर ने सातारा नगर में राजवाड़ा चौक पर स्थित शासकीय हाईस्कूल (अब प्रतापसिंह हाईस्कूल) में 7 नवंबर 1900 को अंग्रेजी की पहली कक्षा में प्रवेश लिया। इसी दिन से उनके शैक्षिक जीवन का आरम्भ हुआ था, इसलिए 7 नवंबर को महाराष्ट्र में विद्यार्थी दिवस रूप में मनाया जाता हैं। उस समय उन्हें भिवा कहकर बुलाया जाता था। स्कूल में उस समय भिवा रामजी आम्बेडकर यह उनका नाम उपस्थिति पंजिका में क्रमांक - 1914 पर अंकित था।

जब वे अंग्रेजी चौथी कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण हुए, तब क्योंकि यह अछूतों में असामान्य बात थी, इसलिए भीमराव की इस सफलता को अछूतों के बीच सार्वजनिक समारोह के रूप में मनाया गया, और उनके परिवार के मित्र एवं लेखक दादा केलुस्कर द्वारा स्वलिखित बुद्ध की जीवनी उन्हें भेंट दी गयी। इसे पढकर उन्होंने पहली बार गौतम बुद्ध व बौद्ध धर्म को जाना एवं उनकी शिक्षा से प्रभावित हुए।

माध्यमिक शिक्षा

1897 में, आम्बेडकर का परिवार मुंबई चला गया जहां उन्होंने एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित शासकीय हाईस्कूल में आगे कि शिक्षा प्राप्त की।

बॉम्बे विश्वविद्यालय में स्नातक अध्ययन

1907 में, उन्होंने अपनी मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और अगले वर्ष उन्होंने एल्फिंस्टन कॉलेज में प्रवेश किया, जो कि बॉम्बे विश्वविद्यालय स ` संबद्ध था। इस स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने वाले अपने समुदाय से वे पहले व्यक्ति थे।

1912 तक, उन्होंने बॉम्बे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और राजनीतिक विज्ञान में कला स्नातक प्राप्त की, और बड़ौदा राज्य सरकार के साथ काम करने लगे। उनकी पत्नी ने अभी अपने नये परिवार को स्थानांतरित कर दिया था और काम शुरू किया जब उन्हें अपने बीमार पिता को देखने के लिए मुंबई वापस लौटना पड़ा, जिनका 2 फरवरी 1913 को निधन हो गया।

कोलंबिया विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर अध्ययन

1913 में, आम्बेडकर 22 वर्ष की आयु में संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए जहां उन्हें सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय (बड़ौदा के गायकवाड़) द्वारा स्थापित एक योजना के अंतर्गत न्यूयॉर्क नगर स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए तीन वर्ष के लिए 11.50 डॉलर प्रति माह बड़ौदा राज्य की छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी। वहां पहुँचने के तुरन्त बाद वे लिविंगस्टन हॉल में पारसी मित्र नवल भातेना के साथ बस गए। जून 1915 में उन्होंने अपनी कला स्नातकोत्तर (एम?ए?) परीक्षा पास की, जिसमें अर्थशास्त्र प्रमुख विषय, और समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र और मानव विज्ञान यह अन्य विषय थे। उन्होंने स्नातकोत्तर के लिए प्राचीन भारतीय वाणिज्य विषय पर शोध कार्य प्रस्तुत किया। आम्बेडकर जॉन डेवी और लोकतंत्र पर उनके काम से प्रभावित थे।

रक्षा मंत्रालय ने इस कंपनी को दिया 65000 करोड़ का टेंडर, शेयर ने बनाया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार में सुस्ती के बीच डिफेंस सेक्टर से जुड़ी कंपनी-हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड या (एचएएल) के शेयर रॉकेट की तरह बढ़ने लगे। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शेयर इंट्रा-डे के दौरान तीन प्रतिशत से अधिक बढ़ गया। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 3677 रुपये पर पहुंच गई। यह शेयर का ऑल टाइम हाई है। कारोबार के अंत में यह शेयर 2.05त्न बढ़कर 3637.90 रुपये पर बंद हुआ।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में उछाल की वजह कंपनी से जुड़ी एक खबर है। दरअसल, रक्षा मंत्रालय ने भारत में निर्मित 97 एलसीए मार्क 1ए लड़ाकू जेट खरीदने के लिए कंपनी को टेंडर जारी किया है। इस टेंडर की कीमत ?65000 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है और यह केंद्र सरकार द्वारा स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर के लिए दिया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर होगा। यह ऑर्डर भारतीय वायुसेना को मिग-21, मिग-23 और मिग-27 के अपने बेड़े को बदलने में मदद करेगा।

पिछले एक महीने में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर ने 11.34 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं, एक साल में कंपनी ने निवेशकों को 158.8 फीसदी रिटर्न दिया है। बता दें कि कंपनी विमान, हेलीकॉप्टर, एयरो-इंजन, एवियोनिक्स, सहायक उपकरण और एयरोस्पेस संरचनाओं सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के डिजाइन, विकास, निर्माण, मरम्मत, ओवरहाल, अपग्रेडेशन और सर्विसिंग में लगा हुआ है।

घरेलू ब्रोकरेज फर्म प्रभुदास लीलाधर ने कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के ऑर्डर फ्लो और इसके पूरा करने के आउटलुक में सुधार हो रहा है। ब्रोकरेज का मानना है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड भारत की वायु रक्षा की बढ़ती ताकत और आधुनिकीकरण पर भूमिका निभा रहा है। प्रभुदास लीलाधर ने अपने विश्लेषण में कहा कि हमने शेयर पर होल्ड रेटिंग दी है।

6 महीने में 393% चढ़ गया यह छोटा शेयर, अब कंपनी दे रही 1 पर 2 बोनस शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कमजोर बाजार में भी एक छोटी कंपनी न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में रॉकेट सी तेजी आई है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 51.22 रुपये पर पहुंच गए हैं। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर ने अब अपने निवेशकों को बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है। कंपनी ने 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। यानी, न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर हर शेयर पर 2 बोनस शेयर निवेशकों को देगी। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट अनाउंस नहीं की है। यह दूसरा मौका है, जब कंपनी बोनस शेयर दे रही है। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर ने इससे पहले जनवरी 2010 में भी 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे।

न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में पिछले 6 महीने में 393 पर्सेंट की जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर 13 अक्टूबर 2023 को 10.38 रुपये पर थे। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 12 अप्रैल 2024 को 51.24 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 327 पर्सेंट का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 13 अप्रैल 2023 को 11.99 रुपये पर थे, जो कि अब 51 रुपये के पार पहुंच गए हैं। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर पिछले 5 दिन में 20 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 5 अप्रैल 2024 को 42.63 रुपये पर थे, जो कि 12 अप्रैल 2024 को बढ़कर 51.24 रुपये पर पहुंच गए हैं।

4 महीने पहले 35 रुपये पर आया IPO, अब 240 रुपये के पार पहुंचे शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक छोटी कंपनी ट्राइडेंट टेकलैब्स ने 4 महीने के भीतर ही कंपनी के शेयरों में पैसा लगाने वाले निवेशकों को मालामाल कर दिया है। ट्राइडेंट टेकलैब्स का आईपीओ 4 महीने पहले 35 रुपये के दाम पर आया था। कंपनी के शेयर 12 अप्रैल 2024 को 242.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। ट्राइडेंट टेकलैब्स के शेयर 35 रुपये के इश्यू प्राइस से 593 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 291.80 रुपये है। वहीं, ट्राइडेंट टेकलैब्स के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 93.25 रुपये है।

ट्राइडेंट टेकलैब्स लिमिटेड का आईपीओ 21 दिसंबर 2023 को खुला था और यह 26 दिसंबर 2023 तक ओपन रहा। आईपीओ में कंपनी के शेयरों का दाम 35 रुपये था। ट्राइडेंट टेकलैब्स के शेयर 29 दिसंबर 2023 को 98.15 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। लिस्टिंग वाले दिन ही कंपनी के शेयर उछाल के साथ 103.05 रुपये पर बंद हुए हैं। लिस्टिंग वाले दिन कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से करीब 195 पर्सेंट चढ़ गए। इसके बाद से कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर 12 अप्रैल 2024 को 242.50 रुपये पर बंद हुए हैं।

ट्राइडेंट टेकलैब्स का आईपीओ टोटल 763.30 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 1059.43 गुना दांव लगा था। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 854.37 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 117.91 गुना दांव लगा था। ट्राइडेंट टेकलैब्स के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 4000 शेयर थे। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 140000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा। ट्राइडेंट टेकलैब्स के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 16.03 करोड़ रुपये तक का था।

कर्ज संकट में दिग्गज कारोबारी, अब मॉल बेचने की आई नौबत, 476 करोड़ का किया सेटलमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्ज संकट से जूझ रहे फ्यूचर ग्रुप के प्रमोटर किशोर बियानी ने अपने मॉल को बेचकर बड़े बकाये का भुगतान कर दिया है। जानकारी के मुताबिक फ्यूचर ग्रुप ने 476 करोड़ रुपये का वन टाइम सेटलमेंट किया है। इसके जरिए फ्यूचर ग्रुप ने बंसी मॉल मैनेजमेंट कंपनी के लेंडर्स को 571 करोड़ रुपये का बकाया चुकाया है, जो लेनदारों के लिए 83त्न की वसूली है।

इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक K रहेजा कॉर्प ने यह डील सोमवार को की है। इसके लिए 28.56 करोड़ रुपये के स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया है। जानकारी के मुताबिक K रहेजा कॉर्प ने बैंकों को सीधे भुगतान किया जिसके बदले में मॉल कंपनी को ट्रांसफर कर दिया गया। इस डील को रियल्टी डेवलपर K रहेजा कॉर्प का समर्थन प्राप्त है। च रहेजा कॉर्प ने एसओबीओ सेंट्रल मॉल का अधिग्रहण किया था।

K रहेजा की समूह कंपनी च रहेजा कॉर्प रियल एस्टेट ने लगभग 150,000 वर्ग फुट के पट्टे योग्य क्षेत्र के साथ मॉल का अधिग्रहण किया है। एसओबीओ सेंट्रल देश का पहला मॉल है, जो 1990 के दशक के अंत में दक्षिण मुंबई के हाजी अली इलाके में खोला गया था। फ्यूचर ग्रुप से वसूली उन बैंकों के लिए एक बड़ी सफलता है, जिन्हें पहले कई मामलों में नुकसान का सामना करना पड़ा था।

प्रमुख फ्यूचर रिटेल के रूप में बैंकों को फ्यूचर समूह से 33,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

1 रुपये पर पहुंच गया था अनिल अंबानी का यह शेयर, अब 2300% की आई तूफानी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयरों ने जोरदार वापसी की है। रिलायंस पावर का आईपीओ 450 रुपये के दाम पर आया था। बुरे दौर में रिलायंस पावर के शेयर टूटकर 1 रुपये पर पहुंच गए थे। कंपनी के शेयरों में फिर अच्छी तेजी लौटी है।

रिलायंस पावर के शेयर पिछले 4 साल में 2300 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर पूरी तरह कर्ज मुक्त होने की राह पर भी है। पिछले दिनों खबर आई थी कि रिलायंस पावर ने ICICI बैंक, एक्सिस बैंक और DBS बैंक की देनदारी का पूरा निपटारा कर दिया है।

रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 4 साल में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर 27 मार्च 2020 को 1.13 रुपये पर पहुंच गए थे। रिलायंस पावर के शेयर 12 अप्रैल 2024 को 27.41 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 4 साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 2325 पर्सेंट का उछाल आया है। अगर किसी निवेशक ने 27 मार्च 2020 को रिलायंस पावर के शेयरों में 1 लाख रुपये का इनवेस्टमेंट किया होता और कंपनी के शेयरों को अभी न बेचा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 24.25 लाख रुपये होती।

रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले 3 साल में 475 पर्सेंट की जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर 9 अप्रैल 2021 को 4.77 रुपये पर थे। रिलायंस पावर के शेयर 12 अप्रैल 2024 को 27.41 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, पिछले एक साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 115 पर्सेंट का तगड़ा उछाल देखने को मिला है।

820 पर जाएगा अडानी का यह शेयर! कर्ज कम कर रही समूह की दिग्गज कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कुछ साल में पावर सेक्टर से जुड़ी दो दिग्गज कंपनियां-अडानी पावर और टाटा पावर के शेयरों ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस दोनों ही कंपनियों ने दम दिखाकर निवेशकों को मालामाल किया है। गौतम अडानी समूह की पावर कंपनी अडानी पावर के शेयरों ने एक साल में अपने शेयरधारकों को 200 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। शेयर बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक अडानी पावर के शेयर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से गिरावट का अनुभव कर रहे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना कि वैल्यूएशन के लिहाज से अडानी पावर के शेयर आकर्षक दिख रहे हैं। एक्सपर्ट ने मिड से लॉन्ग टर्म के निवेशकों को बाजार में करेक्शन का इंतजार करने की सलाह दी है। पेस 360 के सह-संस्थापक अमित गोयल ने कहा-अडानी पावर की बात करें तो लगभग 646 के 52 वीक हाई पर पहुंच गया था और यह अब लगभग 8त्न गिर गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पंचायतों में बेरोजगार हुईं 444 सखियां

भोपाल। जिले की 222 ग्राम पंचायतों में महिलाओं को रोजगार से जोड़ने और विकास कार्य एवं स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कर वसूली की व्यवस्था शुरू की गई थी। अब यह व्यवस्था पंचायतों में बंद हो गई हैं इसकी वजह से कर वसूली का काम करने वाली कुल 444 टैक्स सखियां बेरोजगार हो गई हैं। इतना ही नहीं कर वसूली बंद होने की वजह से कचरा संग्रहण सहित अन्य व्यवस्थाएं गड़बड़ा गई हैं। पंचायतों में समय पर कचरा नहीं उठने इसे जगह-जगह कचरे के ढेर लगे रहते हैं। ऐसे में देशभर में स्वच्छता में पहले स्थान पर आने वाली जिला पंचायत की स्थिति प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। वहीं जिला पंचायत भोपाल ने कर वसूली व्यवस्था शुरू करने के लिए शासन को पत्र लिखा है।

कर वसूली पर मिलता था 10 प्रतिशत कमीशनजिला पंचायत भोपाल द्वारा सभी 222 ग्राम पंचायतों में जल, स्वच्छता, संपत्ति, व्यवसायिक आदि कर की शुरूआत की गई थी। कर वसूली के लिए इन पंचायतों में दो-दो टैक्स सखी नियुक्त की गईं थी। यह सखियां घर-घर से कर वसूली का काम करती थी।इसके बदल में इनको कुल वसूली का 10 प्रतिशत हिस्सा कमीशन के रूप में दिया जाता था। जिससे यह अपना व परिवार का खर्च उठाती थीं।बता दें कि वर्ष 2022-23 में टैक्स सखियों ने लगभग दो करोड़ रुपये का कर वसूल किया था।

बजट नहीं होने से बंद हुआ कचरा संग्रहण

कर वसूली शुरू होने से पंचायतों में साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाएं पंचायत स्तर पर ही की जाने लगी थी।दरअसल कर के रूप में आने वाली राशि का उपयोग गांव में ही विकास कार्यों पर खर्च कर दी थी।अब यह बंद हो गई हैं साथ ही इसके लिए अन्य कोई बजट भी पंचायत के पास नहीं हैं। इसी वजह से साइकिल रिक्शा के द्वारा किए जाने वाला कचरा संग्रहण का काम बंद हो गया है।

जिला पंचायत के अधिकारियों का दावा है कि जिले की 222 ग्राम पंचायतों में से लगभग 140 में ई - रिक्शा के द्वारा कचरा संग्रहण का काम कराया जा रहा है। इन वाहनों में जीपीएस लगा हुआ है जिससे इनकी निगरानी भी की जा रही है। साथ ही छह से सात बड़े वाहन भी मौजूद हैं।हालांकि जहां पर साइकिल रिक्शा से कचरा संग्रहण होता था वहां स्थिति थोड़ी गड़बड़ाई जरूर है।

फैक्ट फाइल

कुल पंचायत - 222

फंदा जनपद में पंचायतें - 96

बैरसिया जनपद में पंचायतें - 126

कचरा संग्रहण के लिए ई रिक्शा - लगभग 150

कचरा संग्रहण के लिए साइकिल रिक्शा - 82

एक वर्ष में कर वसूली - लगभग 2 करोड़ रुपये

पंचायतों में टैक्स सखी - 444

इनका कहना है

पंचायतों में स्वच्छता,जल, संपत्ति, व्यवसायिक आदि का कर वसूलने के लिए महिलाओं को जिम्मा दिया गया था। हालांकि कर वसूली अभी बंद है।फिर भी पंचायतों में सफाई व्यवस्था नियमित कराई जा रही है। जल्द ही महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए फिर से कर वसूली का काम शुरू कराने के प्रयास किए जाएंगे।जिससे वसूली गई राशि का उपयोग पंचायतों के विकास में किया जा सके।

- ऋतुराज सिंह, सीईओ, जिला पंचायत भोपाल

नगर निगम में नहीं रूक रही डीजल चोरी

ग्वालियर। नगर निगम में डीजल चोरी नहीं रूक रही है। खाली खजाने का हवाला देकर जनता की सुविधाओं में तो कटौती की जा रही है, लेकिन निचले अमले पर सख्ती कर डीजल चोरी रोकने में निगम के अधिकारी पूरी तरह से असफल हो रहे हैं। एक तरफ तो वाहनों के नंबरों में हेरफेर कर डीजल की गड़बड़ी की जा रही है, तो दूसरी तरफ इसी गड़बड़ी को रोकने के लिए करोड़ों की लागत से खरीदे गए डीजल बाउजर का इस्तेमाल सिर्फ टैंकरों के तौर पर किया जा रहा है। इन डीजल बाउजर में पेट्रोल पंप की तर्ज पर डिस्पेंसर मशीन लगी हुई हैं, जो सटीक माप से डीजल-पेट्रोल देती हैं। इसके बजाय डिपो पर बांट का इस्तेमाल कर डीजल दिया जा रहा है। इससे घटतोली की संभावना बनी हुई है। जानकार बताते हैं कि हर दिन एक हजार लीटर डीजल बांट से देने पर 30 से 40 लीटर तक की बचत हो जाती है, जो अमले की जेब भरने के लिए खुर्द-बुर्द कर दिया जाता है। दरअसल, नगर निगम के डिपो में डीजल-पेट्रोल चोरी होने की घटनाएं वर्षों से हो रही हैं। इस गड़बड़ी को रोकने के लिए नगर निगम ने 1.76 करोड़ रुपये खर्च कर पिछले साल ही तीन नए डीजल बाउजर खरीदे थे। ये तीनों डीजल बाउजर तीन डिपो पर लगाए गए थे। कायदे से इनका उपयोग वाहनों में डीजल डालने के लिए किया जाना चाहिए, ताकि बिल्कुल सटीक मात्रा में डीजल वाहनों को दिया जा सके। इसके बजाय ये डीजल बाउजर सिर्फ टैंकर के तौर पर बस स्टैंड स्थित मुख्य डिपो से पेट्रोल लेकर विधानसभा के डिपो में पहुंचते हैं। वहां इन बाउजर से ड्रमों में डीजल पलट लिया जाता है। इसके बाद खुले ड्रमों में बांट डुबोकर डीजल निकाला जाता है, जिसे टिपर वाहनों में पलट दिया जाता है। बुधवार को जब निगम के डिपो का जायजा लिया, तो बस स्टैंड स्थित डिपो पर डीजल बाउजर सिर्फ डीजल भरवाता हुआ मिला, जबकि ग्वालियर विधानसभा के डिपो पर बांट के जरिए टिपर वाहनों में डीजल डाला जा रहा था। नगर निगम के बस स्टैंड स्थित डिपो में पहुंचने वाले बड़े वाहनों जैसे ट्रैक्टर-ट्राली, डंपर, वाटर फागर मशीनों में पेट्रोल पंप वाली डिस्पेंसर मशीन से डीजल डाला जाता है, क्योंकि इनमें 15 से 20 लीटर डीजल डलता है।

प्रदेश के अधिकतर शहरों में रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला जारी

भोपाल। बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर से लगातार आ रही नमी के कारण प्रदेश के अधिकतर शहरों में रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में पिछले 24 घंटों के दौरान शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे तक रायसेन में 24.2, नर्मदापुरम में 15.6, पचमढ़ी में 13.2, छिंदवाड़ा में 12.4, उज्जैन में आठ, दमोह में आठ, भोपाल में 7.5, रतलाम में 7.2, बैतूल में 5.2, खंडवा में पांच, सिवनी में 2.2, सागर में दो, उमरिया में 1.8, इंदौर में 0.8, गुना में 0.2 एवं सतना में 0.2 मिलीमीटर वर्षा हुई। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक शनिवार को भी इंदौर संभाग के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर लगभग पूरे प्रदेश में वर्षा होने की संभावना है। रविवार से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियों में कमी आ सकती है। उसके बाद दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक वर्तमान एक पश्चिमी विक्षोभ ईरान पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इससे एक द्रोणिका भी संबद्ध है। दक्षिणी राजस्थान एवं उससे लगे उत्तरी गुजरात पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इस चक्रवात से लेकर उत्तरी ओडिशा तक भी एक द्रोणिका बनी हुई है। बंगाल की खाड़ी में एक प्रति चक्रवात अभी भी बना हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर बनी इन मौसम प्रणालियों के असर से लगातार आ रही नमी के कारण प्रदेश के अधिकतर जिलों में रुक-रुककर वर्षा का दौर बना हुआ है। बादल बने रहने और वर्षा होने के कारण सभी शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से कम पर बना हुआ है। शनिवार को भी भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, शहडोल, रीवा, सागर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल संभाग के जिलों में गरज-चमक के साथ वर्षा हो सकती है। उधर बंगाल की खाड़ी में बने प्रति चक्रवात के तट से दूर चले की संभावना है। जिसके चलते रविवार से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियों में कमी आने के आसार भी है।

हाई कोर्ट ने वर्तमान व पूर्व सांसदों व विधायकों पर दर्ज लंबित प्रकरणों की सुनवाई त्वरित गति से किए जाने संबंधी मामले को दो सप्ताह के लिए आगे बढ़ा दिया

जबलपुर। हाई कोर्ट ने वर्तमान व पूर्व सांसदों व विधायकों पर दर्ज लंबित प्रकरणों की सुनवाई त्वरित गति से किए जाने संबंधी मामले को दो सप्ताह के लिए आगे बढ़ा दिया है। मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ व न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की युगलपीठ ने सरकार से दिशा-निर्देश प्राप्त करने समय दिए जाने का आग्रह स्वीकार कर यह व्यवस्था दी।उल्लेखनीय है कि वर्तमान व पूर्व सांसदों व विधायकों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक प्रकरण की सुनवाई विशेष न्यायालय द्वारा त्वरित गति से किए जाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से प्रदेशों में सुनवाई के लिए गठित विशेष न्यायालयों की जानकारी पेश की गई थी।सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया गया था कि आपराधिक मामलों में दंडित कई वर्तमान व पूर्व सांसद व विधायकों ने स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया है। स्थगन आदेश प्राप्त करने के बाद प्रकरण दीर्घ अवधि से लंबित है। याचिका का पटाक्षेप करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किए थे कि वर्तमान व पूर्व सांसद व विधायकों के विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामलों की सुनवाई विशेष न्यायालय अपेक्षाकृत त्वरित गति से करें।

हाई कोर्ट ने सरकार से दिशा-निर्देश प्राप्त करने समय दिए जाने का आग्रह किया स्वीकार

इसके अलावा दंडादेश के विरुद्ध स्थगन आदेश संबंधी मामलों पर भी सुनवाई त्वरित गति से की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने उक्त आदेश की प्रति सभी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को जारी करने के आदेश भी जारी किए थे। हाई कोर्ट में संज्ञान याचिका के तौर पर मामले में सुनवाई जारी है।

याचिका में केंद्र तथा प्रदेश सरकार के विधि विभाग, प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव व हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को अनावेदक बनाया गया है। याचिका पर पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया था कि विशेष न्यायालय में वर्तमान व पूर्व सांसद तथा विधायकों के विरुद्ध 192 प्रकरण लंबित है।

अधिकतर प्रकरण साक्ष्य व अंतिम सुनवाई के लिए निर्धारित हैं। हाई कोर्ट ने सजा से दंडित प्रकरण में प्राप्त स्थगन आदेश पर त्वरित सुनवाई के लिए सरकार से दिशा-निर्देश प्राप्त करने आदेश जारी किए थे। मामले में शुक्रवार को आगे हुई सुनवाई दौरान सरकार से दिशा-निर्देश प्राप्त करने हाई कोर्ट से आग्रह किया गया था, जिसे स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी है।

निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी एवं ग्रीवा कैंसर की पेप स्मीयर जाँच का शिविर प्रारंभ

इंदौर। इंदौर के रार्बट नर्सिंग होम में 23वां निःशुल्क प्लास्टिक सर्जरी शिविर आज से प्रारंभ हुआ। यह शिविर 14 अप्रैल तक चलेगा। शिविर का शुभारंभ संभागायुक्त श्री दीपक सिंह सिंह ने किया। इस अवसर पर समाजसेवी श्री गिरीश मतलानी, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विजयसेन यशलहा, शहर क़ाज़ी डॉ. इशरत अली, सहायता संस्था के अध्यक्ष डॉ. अनिल भण्डारी और अन्य समाज सेवी तथा प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

बताया गया कि यह शिविर सहायता संस्था के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में विशेष रूप से गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के ही ऑपरेशन किये जायेंगे।

जन्मजात शारीरिक विकारों (कटे होंठ, तालू) एवं किसी दुर्घटना के बाद छूटे निशानों एवं जलने के कारण आयी विकृति के ऑपरेशन होंगे। ऑपरेशन किये जाने के लिये मरीजों का आज चिन्हांकन किया गया। इस शिविर में वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. प्रकाश छजलानी भी अपनी निःशुल्क सेवायें देंगे।

इंदौर में चलेगा नशा मुक्ति का विशेष अभियान

इंदौर। इंदौर जिले में नागरिकों विशेषकर युवाओं को नशे की लत से छुटकारा दिलाने के लिए नशा मुक्ति का विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जन जागृति पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। नशे से मुक्ति दिलाने के लिए अन्य विशेष प्रयास भी अभियान के तहत किए जाएंगे। यह अभियान जिला प्रशासन, पुलिस और स्वयंसेवी संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जाएगा।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में दी गई । बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती सुचिता बेक तिर्की सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और नशा मुक्ति से जुड़ी हुई स्वयंसेवी संस्थाओं/संगठनों के पदाधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि संयुक्त प्रयासों से नशा मुक्ति के इस अभियान को परिणाम मूलक बनाया जाएगा। नशा मुक्ति की यह लड़ाई लंबी जरूर है परंतु इसमें सफलता जरूर प्राप्त की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत स्कूल एवं कॉलेज में जागरूकता की गतिविधियां लगातार आयोजित की जाएगी। विद्यार्थियों को जागरूक बनाने के लिए एक स्थाई जागरूकता केंद्र भी बनाया जाएगा। अभियान में जागरूकता के अलावा मॉनिटरिंग, इंप्लीमेंट एवं एनफोर्समेंट पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह ने कहा कि ड्रग बेचने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए सूचना तंत्र को मजबूत बनाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से हमारा प्रयास होगा कि ड्रग की डिमांड को कम किया जाए। ड्रग के उपयोग को हतोत्साहित किया जाए।

उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। अभियान में नशे के आदी लोगों की पहचान कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास होंगे।

जीर्णशीर्ण हो चुके शहर के अनेक शासकीय भवनों/परिसरों को किया जायेगा पुनर्घनत्वीकरण योजना में शामिल

इंदौर। इंदौर शरह में जीर्णशीर्ण हो चुके पुराने अनेक शासकीय भवनों/परिसरों को पुनर्घनत्वीकरण योजना में शामिल किया जायेगा। इन भवनों की रिक्त भूमि का व्यवसायिक उपांतरण करते हुए अनेक शासकीय कार्यालयों के नवीन भवन बनाने के साथ ही होस्टल, ऑडिटोरियम और स्टेडियम के साथ ही अनेक कार्य भी प्रस्तावित किये गये है। इसके लिये विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये।

इस संबंध में आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री मनोज श्रीवास्तव, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री दिव्यांक सिंह, श्री अभिलाष मिश्रा, श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत अनेक शासकीय भवनों को शामिल करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये।

बताया गया कि इस योजना में होल्कर साइंस कॉलेज की 1.20 हेक्टेयर रिक्त भूमि, ओल्ड पलासिया स्थित संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग का संभागीय कार्यालय तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की 8 हजार 565 वर्ग मीटर भूमि को शामिल करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये गये है।

इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिये 18 अप्रैल को जारी होगी अधिसूचना

इंदौर। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिये 18 अप्रैल को अधिसूचना जारी की जायेगी। अधिसूचना जारी होने के साथ ही नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला भी प्रारंभ हो जायेगा। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया आज यहां आयोजित बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को समझाई गई। उन्हें नाम निर्देशन पत्र जमा करने के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के नियम और निर्देशों की जानकारी भी विस्तार से दी गई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी तथा अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र रघुवंशी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मुख्य प्रशिक्षक डॉ. आर.के. पाण्डे ने नामांकन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। नामांकन दाखिल करने के लिये निर्धारित प्रपत्र व शपथ पत्र सहित नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बारे में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण में मददगार हो रहा है सी-विजिल एप

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इंदौर जिले में निर्वाचन संबंधी शिकायतों का त्वरित और समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। निर्वाचन संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण में सी-विजिल एप बेहद मददगार हो रहा है।

जिले में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर लागू आचार संहिता के बाद से सी-विजिल एप के माध्यम से अब तक प्राप्त 134 शिकायतों का त्वरित और निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने निर्वाचन संबंधी शिकायते प्राप्त करने तथा उनके निराकरण के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन कार्यालय में कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। यह कंट्रोल रूम कार्य कर रहा है।

प्रदेश में 16 मार्च से आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल एप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं।

आज दिनांक तक इंदौर जिले में उक्त एप के माध्यम से कुल 134 शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है।

नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। इसके लिए नागरिक को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है।

इस एप के जरिए कोई भी नागरिक राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से परिवहन करने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों या परिसर पर प्रचार सामग्री लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायतें कर सकता है।

लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत आबकारी इंदौर की बड़ी कार्यवाही

इंदौर। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कलेक्टर श्री आशीष सिंह के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे के निर्देशन में इंदौर आबकारी द्वारा कड़ी कार्यवाहियां जारी है। इसी कड़ी में जिले में 11 अप्रैल को कार्यवाही करते हुए जिले के समस्त वृत्तों में 33 प्रकरण दर्ज कर 2.93 लाख रुपये की 443 लीटर मदिरा, 1635 लीटर महुआ लहान तथा एक दोपहिया वाहन जप्त किया गया।

महत्वपूर्ण कार्यवाही- सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री आर सी डाबर व श्री आर. एस. पचौरी के नेतृत्व में 11 अप्रैल को वृत महू अ ,महू ब, राजमोहल्ला ,आंतरिक 2 व सांवेर के बल द्वारा महू के हसलपुर, पत्थरनाला, जोशीगुराड़िया आदि क्षेत्रों में दबिश देकर झाड़ियों एवं गड्ढों में प्लास्टिक के ड्रमों में भरकर छिपा कर रखी कच्ची हाथभट्टी मदिरा एवं महुआ लाहन जप्त किया गया, जिसमें 142 लीटर हाथभट्टी मदिरा एवं 1050 किलो ग्राम महुआ लाहन जप्त की गई।

तीन-दिवसीय पद्मश्री डॉ एन एन जैन राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की हुई शुरुआत

इंदौर। कानून के शासन द्वारा प्रदान की गई निश्चितता, पूर्वानुमेयता और निष्पक्षता ने ही हमें वह सब करने की अनुमति दी है जिसके बारे में हमारे पूर्वजों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। हम पूरे ग्रह पर संचार करते हैं। हम हवा में उड़ते हैं और सूर्य के साथ घूमते हैं, हमारी कक्षा में मानव ज्ञान का कुल योग है। ये प्रगति कानून के शासन के बिना नहीं हो सकती थी। इसलिए कानून के शासन के आधार पर लिखित शब्द अंततः किसी भी प्रणाली में सर्वोपरि है, यह बात ओक्लाहोमा सिटी अमेरिका के मेयर तथा डीन, स्कुल ऑफ़ लॉ, ओक्लाहोमा सिटी, डेविड होल्ट ने आज प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के डिपार्टमेंट ऑफ़ लॉ द्वारा आयोजित चौथी तीन-दिवसीय पद्मश्री डॉ एन एन जैन राष्ट्रिय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के उद्घाटन स्तर को सम्बोधित करते हुए कही।

20 से अधिक वाहनों पर कार्यवाही कर वसूला एक लाख रुपये जुर्माना

इंदौर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय एवं सम्भागीय परिवहन सुरक्षा स्क्वाड इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों, स्कूली वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। जिसमें वाहनों के फ़िटनेश परमिट बीमा PUC, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये जा रहे है। बसों में ओवरलोडिंग,अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर HSRP नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। स्कूल वाहनों की विशेष चेकिंग की जा रही है । जिसमें वाहन की गति , स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। बच्चों, पालकों से चालक परिचालक के व्यवहार के बारे में फीडबैक भी लिया जा रहा है। कार्यवाही निरन्तर जारी है। आदर्श आचार संहिता के बारे में वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

डॉ. आंबेडकर की कृषि व्यवस्था का आधार सामाजिक न्याय–प्रो. रामकुमार सिंह

उज्जैन। भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति न्यायविद्, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक, कानून विशेषज्ञ, आर्थिक विशेषज्ञ, बहुभाषी वक्ता, संपादक, पत्रकार, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर बाबा साहेब का व्यक्तित्व, कृतित्व, उनका जन्म दिवस भारत समेत पूरे विश्व में पर्व के रूप में मनाया जाता है। 14 अप्रैल समानता दिवस और ज्ञान दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। क्योंकि बाबा साहेब को सिम्बल ऑफ नाऊलेज कहा गया है और जीवनभर समानता के लिए संघर्ष करने वाले डॉ. आम्बेडकर को समानता और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। बहुमुखी प्रतिभा के धनी, दृढ़ निश्चयी, साहसी, संघर्षशील, जुझारू और धुन के पक्के बाबा साहेब आधुनिक भारत के शिल्पकार के रूप में प्रतिष्ठित हैं। डॉ. आम्बेडकर का पांडित्य और

ज्ञान सर्वोत्कृष्ट है।

डॉ. आम्बेडकर मूलतः अर्थशास्त्री हैं क्योंकि उनका अध्ययन, अध्यापन, लेखन का प्रारम्भ अर्थशास्त्र से ही हुआ है। बाबा साहेब के व्यक्तित्व का उच्च गुण उनका शांत स्वभाव, अध्ययन, चिन्तन, मनन लिपिबद्ध उनके व्यक्तित्व के स्थायी गुण हैं। यही कारण है कि उनकी वक्तृत्व कला से संसद भी प्रभावित रही है। आज के दिवस भी मतलब 14 अप्रैल डॉ. आम्बेडकर जयंती पर हमारी बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके व्यक्तित्व की तीन बातों को आत्मसात करें। पहला शारीरिक स्वास्थ्य, दूसरा मानसिक स्वास्थ्य अर्थात् मानसिक सुदृढ़ता, तीसरा चारित्रिक सुदृढ़ता।

उक्त विचार डॉ. आम्बेडकर पीठ व कृषि विज्ञान अध्ययनशाला के संयुक्त तत्वावधान में बाबा साहेब डॉ. आम्बेडकर की 133वीं जयंती के अवसर पर आयोजित डॉ. आम्बेडकर स्मृति व्याख्यानमाला में बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, बनारस (उ.प्र.) के एग्रोनॉमी के राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रो. रामकुमार सिंह ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर का कृषि दर्शन = वर्तमान संदर्भ में व्याख्यान में कही।

प्रो. सिंह ने कहा कि डॉ. आम्बेडकर वैज्ञानिक दृष्टि से आर्थिक विश्लेषण करते हैं। उनका मत है कि प्रगति का माप अथवा विकास आर्थिक आधार पर ही हुआ है, जिसमें आर्थिक परिवर्तनों के साथ-साथ सामाजिक चिन्तन में चेतना का विकास होगा। बाबा साहेब भारतीय व्यवस्था को न्याय संगत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना चाहते थे जिसमें समानता हो।

गढ़कालिका मंदिर में काल भैरव और बटुक भैरव की प्रतिष्ठा आज

पीपली नाका से निकलेगी शोभायात्रा, कार से उज्जैन आई मूर्तियां

उज्जैन। गढ़ कालिका मंदिर परिसर में रविवार को श्री काल भैरव एवं बटुक भैरव जी की प्रतिमा की प्रतिष्ठा की जाएगी। प्रतिष्ठा ग्वालियर के भक्त संदीप मित्तल व उनके परिवार के द्वारा कराई जा रही है। श्री मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि जयपुर राजस्थान के मूर्तिकारों ने दोनों भगवान की ये आकर्षक मूर्तियां मकराना के सफेद व काले ग्रेनाइट पत्थर पर तराशी गई है तो इनका श्रृंगार जोधपुर में हुआ है। जयपुर से कार से इन मूर्तियों को बाबा के भक्त चंद्रेश बॉम्बेवाला उज्जैन लेकर आए है। रविवार प्रातः 10 बजे पिपली नाका से मूर्तियों की शोभा यात्रा प्रारंभ होगी। रथ में विराजमान भगवान भक्तों को

दर्शन देंगे। यात्रा में भक्तों के साथ बैंड, ढोल, ऊंट, रथ शामिल रहेंगे। यात्रा गढ़ कालिका मंदिर पहुंचकर समाप्त होगी जहां 11 बजे बाद पंचामृत अभिषेक प्रारंभ होगा। दोपहर 12 बजे बाद वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा आचार्य प्रवीण चतुर्वेदी द्वारा प्रतिष्ठा की विधि कराई जाएगी। श्री भैरव जी के अष्टोत्तर सतनाम एवं सहस्त्रनामों के पाठ के साथ हवन, आरती व कन्या, बटुक भोज होगा। प्रतिष्ठा में परिवार के रमा, सक्षम, वरदान, संजीवनी, आयुषी, कशिका, शिवा मित्तल, मुकेश अग्रवाल आदि प्रमुख रूप से शामिल रहेंगे।

महालक्ष्मी बिहार कॉलोनी में हो रहा दिव्य भागवत ज्ञान अमृत महोत्सव का आयोजन

उज्जैन। आगर रोड मक्सी रोड बाईपास एम आर 5 स्थित महालक्ष्मी विहार कॉलोनी में दिव्य ज्ञान अमृत एवं श्री लक्ष्मी नारायण प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से लेकर 3 बजे तक दिव्य भागवत का वाचन वागर्थ पीठाधीश्वर आचार्य अखिलेश महाराज द्वारा किया जा रहा है। जब की प्रतिदिन रात 8:00 बजे से लेकर 10:00 बजे तक भजन संध्या हो रही है।यह जानकारी देते हुए महालक्ष्मी मंदिर निर्माण समिति के विशाल यादव ने बताया कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। 14 अप्रैल रविवार को सुबह 9:00 बजे नक्षत्र होटल के सामने शनि मंदिर से विग्रह का चल समारोह निकाला जाएगा।

कैडेट जूनियर अंडर 21, सीनियर स्टेट कराते प्रतियोगिता का शुभारंभ

उज्जैन। एमपी स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन द्वारा आयोजित कैडेट जूनियर अंडर 21, सीनियर स्टेट कराते प्रतियोगिता का शुभारंभ 13 अप्रैल को उज्जैन में हुआ। इस राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता में प्रदेश के 300 बालक बालिका खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

शुभारंभ समारोह को राजेन्द्रसिंह तोमर अध्यक्ष एम.पी.एस.के द्वारा संबोधित किया गया। मंचासिन अतिथियों यश शर्मा पुजारी महाकाल मंदिर, डॉ. सलूजा समाजसेविका, कमलकांत वशिष्ठ इंदौर उद्योगपति, प्रवीण ढोबले कोषाध्यक्ष एमपीएसके, वीपी राणा उपाध्यक्ष एमपीएसकेए, गौरव सिंधिया तकनीकी निर्देशक, डॉ. जया मिश्रा, विकास खत्री का स्वागत महेश कुशवाह सचिव एम.पी.एस.के सहित उज्जैन कराते प्रमोशन एवं एसोसिएशन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कमल सोनी, कुलदीप सिसौदिया, पूर्वा झाला, सोनू प्रजापति, रितेश पाटीदार, हिमांषु कल्याणी ने अतिथियों का स्वागत किया। यह जानकारी पूर्वा झाला ने दी।

भारतीय डाक कर्मचारी संघ मालवा संभाग उज्जैन का संयुक्त संभागीय अधिवेशन सम्पन्न

उज्जैन। भारतीय डाक कर्मचारी संघ मालवा संभाग उज्जैन का 25वां संयुक्त संभागीय अधिवेशन शिवचरण शर्मा वरिष्ठ अभिभाषक एवं पूर्व अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ जिला उज्जैन की अध्यक्षता में सुराना पैलेस दशहरा मैदान उज्जैन में सम्पन्न हुआ।

अधिवेशन का उदघाटन भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख सतीश शर्मा ने किया। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय डाक कर्मचारी संघ वर्ग-3 के प्रांतीय सचिव जुझार सिंह राजपूत एवं भारतीय डाक कर्मचारी संघ पोस्टमैन एवं एमटीएस सवर्ग के प्रांतीय सचिव मुकेश विश्वकर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में किशन सिंह शेखावत अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ जिला उज्जैन एवं भारतीय डाक कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एस.एन. झा उपस्थित रहें।

अधिवेशन में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों पर विचार विमर्श किया गया। विशेषकर ओल्ड पेंशन स्कीम, अनुकम्पा नियुक्ति आदि विषयों पर चर्चा की गई। अधिवेशन में अगले द्विवार्षिक कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें भारतीय डाक कर्मचारी संघ वर्ग-3 के अध्यक्ष पद के लिए बालूसिंह पडियार, सचिव मुकेश त्रिपाठी एवं भारतीय डाक कर्मचारी संघ वर्ग पोस्टमैन एवं एमटीएस के अध्यक्ष पद के लिए अशोक शर्मा, सचिव भूपेन्द्र मालवीय तथा भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पद के लिए चंपालाल शर्मा, सचिव पद के लिए संजय शर्मा का चयन किया गया।

अधिवेशन में संघ के नये सदस्यों का स्वागत किया गया एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान किया गया। कार्यकम में संघ के क्षेत्रीय सचिव अनिल शर्मा, भूपेन्द्र मालवीय इंदौर संभाग के संभागीय सचिव प्रेम रावत, सीहोर संभाग के सचिव विनोद त्यागी भी उपस्थित रहें। जिनका भी स्वागत किया गया। संचालन नवीन कुमार ने किया। आभार विजय पंत ने माना। अधिवेशन को सफल बनाने में निर्मल पोरवाल, अभिषेक कुमार, कौशल वर्मा, रविन्द्र मूले, अविनाश मूले का विशेष सहयोग रहा।

भगवान निषादराज की जयंती पर निषाद वंश ने निकाली शोभायात्रा, समाज के वरिष्ठजनो का किया सम्मान

उज्जैन। में निषादराज की जयंती पर शनिवार को फाजलपुरा स्थित नगरकोट से निषादवंशी द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में निषादवंश लोग गाजे-बाजे के साथ शामिल हुए। शोभायात्रा की शुरुआत फाजलपुरा से हुई, जो गाड़ी अड्डा, कोयला फाटक, निजातपुरा, कंठाल चौराहा, सती गेट, छत्री चौक, गोपाल मंदिर आदि मार्गों से होते हुए पुनः फाजलपुरा पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मांझी समाज के कार्यकर्ता एडवोकेट सुरेश बाथम एवम राकेश वर्मा ने बताया कि शोभायात्रा से पूर्व कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सांसद अनिल फिरोजिया और विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा शामिल हुए और निषादराज की जयंती पर समाजजनों को बधाई दी। साथ ही सुरेश बाथम ने बताया कि इस प्रकार का कार्यक्रम पहली बार मध्य प्रदेश में हुआ है, जिसमें मध्य प्रदेश से बड़ी संख्या में निषादवंश के माझी, केवट, भोई, बाथम, कहार, कश्यप आदि समाजजन हजारों की संख्या में शामिल हुए। शोभायात्रा में विभिन्न झांकियां भी निकाली गई, जिसमें निषादराज केवट जी भगवान श्रीराम को नाव में बैठाकर नदी पार कराते हुए दिखे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com